भारतीय मीडिया में सुधार के लिए TRAI की विशिष्ट सिफारिशों या अंतरराष्ट्रीय मॉडलों (जैसे अमेरिका या यूके के नियम) के बारे में विस्तार से वर्णन कीजिये।

भारतीय मीडिया परिदृश्य में संतुलन बनाए रखने के लिए TRAI की सिफारिशें और अंतरराष्ट्रीय मॉडल अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ये मॉडल दिखाते हैं कि कैसे विकसित लोकतंत्र मीडिया के केंद्रीकरण (Concentration of power) को रोकने का प्रयास करते हैं।

1. TRAI (भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण) की मुख्य सिफारिशें

TRAI ने समय-समय पर (विशेषकर 2014 और उसके बाद) मीडिया स्वामित्व पर अंकुश लगाने के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए हैं:

* स्वामित्व पर सीमा (Horizontal Integration): एक ही कंपनी को एक ही भौगोलिक क्षेत्र (जैसे एक राज्य) में एक ही भाषा के प्रिंट, टीवी और रेडियो तीनों क्षेत्रों में प्रभुत्व रखने से रोका जाना चाहिए।

* ऊर्ध्वाधर एकीकरण पर रोक (Vertical Integration): TRAI का मानना है कि जो कंपनियां 'ब्रॉडकास्टर' (चैनल मालिक) हैं, उन्हें 'डिस्ट्रीब्यूटर' (जैसे केबल ऑपरेटर या DTH सेवा) का मालिक नहीं होना चाहिए। इससे निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा खत्म होती है।

* राजनीतिक और कॉर्पोरेट संस्थाओं पर प्रतिबंध: राजनीतिक दलों, धार्मिक निकायों और सरकारी धन से चलने वाली संस्थाओं को मीडिया व्यवसाय में सीधे प्रवेश करने से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।

* पारदर्शिता: प्रत्येक मीडिया हाउस के लिए यह अनिवार्य होना चाहिए कि वह अपनी वेबसाइट पर अपने अंतिम लाभकारी मालिकों (Ultimate Beneficial Owners) का विवरण सार्वजनिक करे।

2. अंतरराष्ट्रीय मॉडल: अमेरिका और यूके के नियम

दुनिया के कई देशों ने मीडिया की विविधता को बचाने के लिए कड़े नियम बनाए हैं:

संयुक्त राज्य अमेरिका (USA): FCC के नियम

अमेरिका में FCC (Federal Communications Commission) मीडिया स्वामित्व को विनियमित करता है:

* दैनिक समाचार पत्र और ब्रॉडकास्ट नियम: लंबे समय तक अमेरिका में एक ही बाजार में एक पूर्ण-सेवा टेलीविजन स्टेशन और एक दैनिक समाचार पत्र के मालिक होने पर प्रतिबंध था (हालाँकि हाल के वर्षों में इसमें कुछ ढील दी गई है)।

* राष्ट्रीय टीवी स्वामित्व सीमा: कोई भी एकल कंपनी देश के 39% से अधिक टेलीविजन घरों तक पहुँचने वाले स्टेशनों की मालिक नहीं हो सकती।

यूनाइटेड किंगडम (UK): Ofcom का दृष्टिकोण

यूके में Ofcom मीडिया की बहुलता (Media Plurality) की निगरानी करता है:

* पब्लिक इंटरेस्ट टेस्ट: यदि कोई बड़ा मीडिया विलय (Merger) होता है, तो सरकार 'जनहित' के आधार पर उसकी जाँच कर सकती है कि क्या इससे सूचना की विविधता कम तो नहीं होगी?

* 20/20 नियम: कोई भी व्यक्ति जो राष्ट्रीय समाचार पत्र के बाजार के 20% या उससे अधिक का मालिक है, वह 'चैनल 3' (ITV) में 20% से अधिक हिस्सेदारी नहीं रख सकता।

3. प्रमुख अंतर और चुनौतियाँ

आधार	भारत (वर्तमान स्थिति)	अंतरराष्ट्रीय (US/UK)
विनियमन	खंडित (Self-regulation और ढीले नियम)	स्वतंत्र नियामक (FCC/Ofcom) द्वारा सख्त निगरानी
राजनीतिक स्वामित्व	व्यापक और प्रत्यक्ष	प्रत्यक्ष राजनीतिक स्वामित्व पर कड़ा नियंत्रण
क्रॉस-मीडिया नियम	स्पष्ट कानूनों का अभाव	विशिष्ट 'कैपिंग' (सीमा) और एंटी-ट्रस्ट कानून

निष्कर्ष

भारतीय मीडिया को कॉर्पोरेट चंगुल से बचाने के लिए TRAI की सिफारिशों को कानून के रूप में लागू करना आवश्यक है। अंतरराष्ट्रीय मॉडलों से सीख लेते हुए, भारत को एक ऐसे स्वतंत्र मीडिया आयोग की आवश्यकता है जो न केवल तकनीकी बल्कि 'लोकतांत्रिक विविधता' के आधार पर स्वामित्व का ऑडिट कर सके।